छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

# एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, बुधवार 21 अक्टूबर 2026 | वर्ष-07, अंक-112 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

## न्यूज इन शॉर्ट

### अगले हफ्ते नेवी का 'स्वावलंबन' सेमिनार, भविष्य की युद्ध तकनीकों पर खास जोर



**नई दिल्ली।** नौसेना का कहना है कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ड्रोन, मानवरहित सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस सेंसर समुद्री ऑपरेशन के तरीके बदल रहे हैं। भारतीय नौसेना को आत्मनिर्भर बनाने और भविष्य की समुद्री चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। भारतीय नौसेना का प्रमुख इनोवेशन और स्वदेशीकरण कार्यक्रम स्वावलंबन 2026 26 और 27 अक्टूबर को दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में देश की रक्षा कंपनियां, स्टार्टअप, MSME, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे।

### पंजाब की बदहाली के जिम्मेदार मान- नशे ने युवाओं को किया बर्बाद



**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पंजाब दौरे के बाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने भारतवर्ष से बातचीत की। इस दौरान, बिट्टू ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का एक पोस्टर दिखाया, जिसमें उन्हें रावण के रूप में दर्शाया गया था। मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस आरोप पर कि केंद्रीय गृह मंत्री सस्ती राजनीति कर रहे हैं, बिट्टू ने कहा कि मान खुद एक राक्षस हैं जो पंजाब में रहते हैं, हालांकि हाल ही में वे फांस गए हुए थे।भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, आज लुधियाना में हमने 'रावण' का पुतला जलाया, जो नशे की समस्या (चिट्टा) का प्रतीक है। अमित शाह अपनी मर्जी से यहां नहीं आए; राज्य के मौजूदा हालात को देखते हुए उन्हें यहां आना पड़ा, एक ऐसा राज्य जहां भगवंत मान की सरकार है।

### कमजोर मानसून का असर- कर्नाटक में 33ल फसलें बर्बाद



**नई दिल्ली।** भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में अल नीनो का असर दिखने लगा है। कमजोर मानसून के कारण दक्षिण और पश्चिम भारत के कई राज्यों में जलाशयों का जलस्तर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना में सूखे के हालात से खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर संकट गहरा गया है।कर्नाटक में 240 में से 226 तालुके सूखाग्रस्त हैं। राज्य में करीब 33ल फसल बर्बाद होने का अनुमान है। तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा में पानी की कमी के कारण धान की खेती का रकबा एक लाख एकड़ से ज्यादा घट गया है।

### आशुतोष-सौरव का जंतर-मंतर केस क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर



**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं आशुतोष रंका और सौरव दास से जुड़े जंतर-मंतर मामले को क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।सूत्रों के मुताबिक, 13 अक्टूबर को आशुतोष और सौरव के कनॉट प्लेस और जंतर-मंतर जाने पर दो स्ब्क्रदर्ज हुई थीं। कनॉट प्लेस केस मंगलवार को क्राइम ब्रांच को सौंपा गया था। अब जंतर-मंतर केस भी क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया है।सौरव और आशुतोष को 12 अक्टूबर को बिना अनुमति जंतर-मंतर जाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

# देश के कई शहरों में दशानन का दहन, दिल्ली के दशहरा समारोह में शामिल हुए पीएम मोदी

**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

दशहरे पर देशभर में रावण का पुतला दहन किया गया। दिल्ली में जहां पीएम मोदी ने रावण दहन कार्यक्रम में भाग लिया तो पंजाब के लुधियाना में गृह मंत्री अमित शाह ने रावण दहन किया।देशभर में आज धूमधाम से दशहरे का त्योहार मनाया जा रहा है। इस त्योहार को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। दशहरे पर रावण का पुतला दहन करने की परंपरा है। ऐसे में देशभर में आज रावण का पुतला जलाया गया। इस दौरान लोगों में जमकर उत्साह देखने को मिला। पूर्वी दिल्ली के आईपी एक्सटेंशन स्थित डीडीए ग्राउंड में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में पीएम मोदी शामिल हुए।



### राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने किया रावण दहन

*दिल्ली के द्वारका में राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने रावण दहन किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी द्वारका रामलीला समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान राष्ट्रपति ने कार्यक्रम में कहा, 'दशहरा के अवसर पर देश-विदेश में कई जगहों पर आयोजित रामलीलाओं के माध्यम से करोड़ों लोग राम कथा के महान आदर्शों को याद करते हैं'।*

## PWD ने काम शुरू किया; इधर 50 प्रतिशत से कम रिजल्ट वाले स्कूलों को सुधारने की हिदायत

# पेंड्रा में बारिश से खराब सड़कों की मरम्मत शुरू

**एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही**

जीपीएम में बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग ने इसकी शुरुआत पेंड्रा शहर से की है। सड़कों की मरम्मत होने से लोगों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी।

बारिश के दौरान सड़कों के खराब होने से लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। राहगीरों और वाहन चालकों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब मरम्मत का काम शुरू होने से शहरवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

### विद्यार्थियों और व्यापारियों को भी मिलेगी राहत

सड़कों में सुधार होने से विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को आने-जाने में सुविधा होगी। इससे आवागमन पहले से सुगम और सुरक्षित हो सकेगा। मरम्मत कार्य शुरू होने से शहरवासियों में खुशी और संतोष का माहौल है।



*50प्रशित से कम रिजल्ट वाले स्कूलों को सुधारने की हिदायत*

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने तिमाही परीक्षा में 50 प्रतिशत से कम परिणाम वाले स्कूलों पर नाराजगी जताई है। उन्होंने हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक में बोर्ड परीक्षा के बेहतर नतीजों के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी छात्रों को पास कराने का लक्ष्य रखने को कहा। कलेक्टर ने गुरुकुल पेंड्रारोड में बड़ी संख्या में छात्रों के फेल होने पर प्राचार्य से नाराजगी जताई। टीकरकला, जोगीसार, मिश्रीदेवी, पीएम श्री पेंड्रा, भरींडांड़, सेजेस सेमरा, पकरिया, साधवानी और कन्या मरवाही समेत अन्य कमजोर परिणाम वाले स्कूलों के प्राचार्यों को अगली बैठक तक नतीजे सुधारने की हिदायत दी।

# भारत में रिजीम चेंज का प्रयास, इससे कुछ नहीं बदलेगा

## नेपाल-बांग्लादेश का जिक्र कर भागवत का विपक्ष को मैसेज



**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

देश में 'रिजीम चेंज' (सत्ता परिवर्तन) को लेकर छिड़े सियासी विवाद के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स्) के प्रमुख मोहन भागवत का बयान सामने आया है। उन्होंने साफ कहा है कि 'रिजीम चेंज' से कुछ नहीं बदलेगा। उन्होंने भारत के पड़ोसी देशों नेपाल-बांग्लादेश का जिक्र किया और वहां के हालात को लेकर विपक्षी दलों को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सिर्फ सत्ता बदल देने से किसी देश की समस्याएं हल नहीं हो जातीं। उन्होंने ये भी कहा कि कुछ ताकतें भारत को कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं। RSS के विजयादशमी समारोह में नागपुर में को संबोधित करते हुए।

### 'विरोध-प्रदर्शन राजनीतिक हितों का जरिया बन सकते हैं'

RSS प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि सत्ता परिवर्तन के लिए किए जाने वाले आंदोलन बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं करते। उन्होंने आगाह किया कि ऐसे विरोध-प्रदर्शन समाधान देने के बजाय राजनीतिक हितों का जरिया बन सकते हैं और समाज में विभाजन को बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि अपने स्वार्थ साधने वाली ताकतें राजनीतिक हालात बदलने के लिए सत्ता परिवर्तन का इस्तेमाल करती हैं।

# टाइगर श्रॉफ फायरिंग-आरोपियों ने अमिताभ-सलमान, आमिर-अक्षय की रेकी की थी

## सिक्योरिटी ज्यादा थी तो प्लान बदला; दिल्ली से 4 और गिरफ्तार

**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका लक्ष्य टाइगर श्रॉफ नहीं थे बल्कि वो किसी और हस्ती को मारने के लिए आए थे, पर वो अपने लक्ष्य तक पहुंचने में नाकाम हो गए।टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में जांच के दौरान एक बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपियों से शुरुआती पूछताछ में अहम जानकारी सामने आई है कि हमलावरों का शुरुआती निशाना टाइगर श्रॉफ नहीं बल्कि कोई दूसरी बड़ी हस्ती थी। आरोपी मुंबई में एक बड़ी हस्ती की हत्या करने के इरादे से आए थे, लेकिन पहले से तय लक्ष्य तक पहुंचने में नाकाम रहने के बाद आरोपियों ने टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाया।आरोपियों को फैंस की सोशल मीडिया रील्स से टाइगर श्रॉफ की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी मिली थी। टाइगर और उनके फैंस के इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए हमलावरों ने पहले रेकी की और हर गतिविधि पर नजर रखी।



# दिल्ली में रावण के साथ जला 30 फीट का कॉकरोच

## राजनीतिक विवाद शुरू



**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

इस दशहरे दिल्ली में रावण के साथ 30 फुट का कॉकरोच पुतला भी जलाया गया।आयोजकों ने इसे गंदगी व बीमारियों के खिलाफ संदेश बताया। वहीं इस मुद्दे पर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है।

देशभर में विजयादशमी (दशहरा) का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। जगह-जगह रावण दहन हुआ।

### ट्रेन से 2 महिलाओं ने पहुंचाए हथियारज टाइगर पर हमले की साजिश का खुलासा, दिल्ली पुलिस ने 4 को पकड़ा

नई दिल्ली। टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों का नाम कुणाल, सुमित, राधा और बबिता बताया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि कुणाल अनिल पंडित के टच में था। कुणाल और सुमित ने हमले के लिए राधा और बबीता को हथियार दिए थे। फिर राधा और बबिता हथियार लेकर मुंबई के दादर गई थीं, जहां उन्होंने हथियार शूटरों को हैंडरओवर किए थे। अब दिल्ली पुलिस ने चारों आरोपियों को मुंबई पुलिस को सौंप दिया है।

स्पेशल सेल की एनडीआर टीम ने मंगलवार को चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। आरोपियों को ब्नहस्स् की धारा 35(1)(ड्ड) के तहत कलंदरा के जरिए अदालत में पेश किया गया था। इसके बाद महाराष्ट्र पुलिस की सीआईडी, मुंबई ने आरोपियों से हिरासत में पूछताछ और औपचारिक गिरफ्तारी की अनुमति मांगी। अदालत ने इसकी मंजूरी दे दी। बाद में मुंबई पुलिस ने आरोपियों की तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड मांगी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया।

## समाज में सद्भाव, नैतिकता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा देता है

# सत्य और धर्म की विजय का शाश्वत संदेश देता है विजयादशमी का पर्व :मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि विजयादशमी का पर्व केवल बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव नहीं, बल्कि सत्य, धर्म, न्याय और मानवता के मार्ग पर अडिग रहने का शाश्वत संदेश देने वाला महान सांस्कृतिक पर्व है। प्रभु श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य का मार्ग कितना भी कठिन और चुनौतियों से भरा क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। जीवन में जब भी सही और गलत में से किसी एक पक्ष को चुनने का अवसर आए, हमें सदैव सत्य, न्याय और मानवता के पक्ष में खड़ा होना चाहिए, क्योंकि हम किसके साथ खड़े हैं, यही हमारे चरित्र और संस्कारों की वास्तविक पहचान है।





## न्यूज इन शॉर्ट

### धमतरी में इस बार एकलव्य खेल परिसर में होगा रावण दहन

धमतरी, धमतरी शहर में इस वर्ष आज शाम दशहरा पर्व पर रावण दहन का आयोजन डॉ. शोभाराम देवांगन शासकीय विद्यालय के एकलव्य खेल परिसर में किया गया है। महापौर श्री रामू रोहरा एवं संबंधित समितियों के निर्णय के अनुसार आयोजन स्थल में यह बदलाव किया गया है। इसका उद्देश्य नागरिकों को अधिक सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराने के साथ आयोजन को व्यवस्थित और सुगम बनाना है। एकलव्य खेल परिसर में रावण दहन होने से शहरवासियों को उत्सव में शामिल होने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। खुले परिसर में आयोजन से दर्शकों की सुविधा, भीड़ प्रबंधन और कार्यक्रम के सुचारु संचालन में मदद मिलने की उम्मीद है। यातायात व्यवस्था की दृष्टि से भी आयोजन स्थल का चयन महत्वपूर्ण है। दशहरा उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात का सुचारु संचालन, वाहनों की पार्किंग तथा पैदल आने-जाने वाले लोगों की सुविधा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक होगा। व्यवस्थित यातायात प्रबंधन से अनावश्यक जाम की स्थिति को कम करने और नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। नागरिकों से भी अपेक्षा है कि वे यातायात नियमों का पालन करें तथा संबंधित प्रशासन और यातायात कर्मियों के निर्देशों का सहयोगपूर्वक पालन करें। दशहरा पर्व भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। रावण दहन बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है। ऐसे में आयोजन को गरिमामय, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाना सामूहिक जिम्मेदारी है।
महापौर एवं संबंधित समितियों की पहल से इस वर्ष दशहरा आयोजन को नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में कदम उठाया गया है, ताकि धमतरीवासी उत्साह और उल्लास के साथ पर्व में सहभागी बन सकें।




### वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएं

रायपुर, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएंरायपुर - वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएंरायपुर - वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएं विजयादशमी के पावन अवसर पर प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ के नटवर स्कूल में स्टेशन चौक युवा समिति द्वारा आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में शामिल होकर अधर्म और बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया। इस अवसर पर उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि विजयादशमी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो हमें सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आज पूरा भारतवर्ष इस पर्व को घर-घर, गली-गली और मोहल्ले-मोहल्ले में उत्साह और उल्लास के साथ मना रहा है। यह पर्व केवल बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव नहीं, बल्कि हमारे जीवन में नैतिक मूल्यों, मर्यादा और सदाचार को अपनाने का संदेश भी देता है।श्री चौधरी ने कहा कि विजयादशमी हमें यह विश्वास दिलाती है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन और चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, अंततः विजय सत्य, धर्म और न्याय की ही होती है। भगवान श्रीराम का जीवन त्याग, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और आदर्श आचरण का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श आज भी समाज को सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

# पंडालों मां दुर्गा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, तो वहीं बंगाली संस्कृति की झलक आकर्षण का केंद्र !

## पूजा-अर्चना और पारंपरिक अनुष्ठानों के जरिए लोगों ने मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की

**एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही**



जिले में दुर्गा पूजा की छटा देखते ही बन रही है। खासकर पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन में आयोजित बंगाली दुर्गा पूजा अपनी अनूठी परंपराओं, विशिष्ट संस्कृति और भव्य आयोजन के चलते लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां मां दुर्गा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, तो वहीं बंगाली संस्कृति की झलक लोगों को खासा आकर्षित कर रही है। दुर्गा पूजा पंडाल इन दिनों आस्था और सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम बना हुआ है। बंगाली समाज की पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित इस पूजा में मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। इस आयोजन का सबसे खास आकर्षण रहा बंगाली महिलाओं का पारंपरिक धुनुची नृत्य। ढाक की गूंजती ताल पर महिलाएं हाथों में जलती हुई धुनुची लेकर सामूहिक रूप से नृत्य करती नजर आईं। पारंपरिक धुन, लय और भक्ति से सराबोर इस नृत्य ने पूरे माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। बंगाली दुर्गा पूजा की यह खास परंपरा यहां पहुंचने वाले लोगों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी रही। वहीं, मां दुर्गा की अंजलि अर्पित करने के लिए आसपास के क्षेत्रों से बंगाली समाज के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे। पूजा-अर्चना और पारंपरिक अनुष्ठानों के जरिए लोगों ने मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि बंगाली समाज की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को सहेजने का भी एक महत्वपूर्ण अवसर है।

# कोरबा में 7 साल की मासूम बच्ची लापता, तलाश में जुटी पुलिस

**संवाददाता ➤ कोरबा**

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सात वर्षीय बच्ची के अचानक लापता होने से परिवार में चिंता का माहौल है। बालको थाना क्षेत्र की रजगामार चौकी अंतर्गत रजगामार बस्ती में रहने वाली भव्या जोशी सोमवार दोपहर राशन दुकान से सामान लेने निकली थी, लेकिन काफी देर तक घर वापस नहीं लौटी। बच्ची के नहीं लौटने पर परिजनों ने आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिवार ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही रजगामार चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची की तलाश शुरू कर दी। फिलहाल बच्ची का पता नहीं चल पाया है।राशन दुकान से सामान लेने निकली थी बच्ची
जानकारी के अनुसार, रजगामार ग्राम पंचायत अंतर्गत रजगामार बस्ती में रहने वाली सात वर्षीय भव्या जोशी 19 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब डेढ़ बजे घर से निकली थी। बच्ची के पिता प्रकाश जोशी ने उसे पास की राशन दुकान से घरेलू उपयोग का सामान लाने के लिए भेजा था। परिजनों के अनुसार, बच्ची दुकान जाने के बाद काफी समय तक घर नहीं लौटी। शुरुआत में परिवार ने आसपास उसकी तलाश की, लेकिन जब बच्ची का कोई पता नहीं चला तो उनकी चिंता बढ़ गई।
चार महीने पहले कोरबा आया था परिवार
लापता बच्ची के पिता प्रकाश जोशी मूल रूप से सक्ती जिले के ग्राम फगुरम के निवासी हैं। वह करीब चार महीने पहले रोजगार की तलाश में अपने चार बच्चों के साथ कोरबा आए थे। वर्तमान में प्रकाश जोशी रजगामार स्थित करीम पोल्ट्री फार्म में काम करते हैं। परिवार भी पोल्ट्री फार्म परिसर में रह रहा है। का पालन-पोषण कर रहे हैं।

# शारदीय नवरात्रि पर श्री गायत्री प्रज्ञा पीठ भटगांव मे 3 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन एवं पूर्णाहुति सम्पन्न



### मुंडन संस्कार के साथ विभिन्न संस्कार निःशुल्क कराये गए

### सैकड़ो गायत्री परिजन एवं श्रद्धांलूगण कार्यक्रम मे हुए शामिल





**संवाददाता ➤ भटगांव**

शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर श्री गायत्री प्रज्ञा पीठ भटगांव में 3 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन और पूर्णाहुति सम्पन्न हुई 9 दिवसीय साधना को यज्ञ भगवान व गायत्री माता को आहुति प्रदान करते हुए पूर्णाहुति के साथ समापन किया गय।सुबह से ही गायत्री पीठ में मां गायत्री की पूजा-अर्चना और आरती की गई यज्ञ के साथ-साथ मुंडन संस्कार सहित विभिन्न संस्कार निःशुल्क कराए गए। वहीं इस कार्यक्रम में जिला सदस्य डॉ. दिनेश लाल जांगड़े विशेष रूप से शामिल हुऐ सभी सैकड़ों श्रद्धालुओं के लिए खिचड़ी प्रसाद की व्यवस्था की गई थी पूरे भटगांव में इस यज्ञ को लेकर भक्ति का माहौल बना रहा।वहीं कार्यक्रम के पश्चात युग सन्देश एवं 25 अक्टूबर को होने वाले विभिन्न कार्यक्रम का आमंत्रण दिया गया जो प्रज्ञा पीठ परिसर मे ही सम्पन्न होगी जिसके लिए महिला संगठन व युवा संगठन ने सभी स्कूलों एवं वार्डो मे प्रचार प्रसार कर तैयारी पूर्ण कर ली है।

# पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार खिलारी ने किया विधि-विधान से शस्त्र पूजन

## विजयादशमी पर जिलेवासियों को दी शुभकामनाएं, शांति, सुरक्षा एवं सौहार्द बनाए रखने का संदेश



**संवाददाता ➤ गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही**

विजयादशमी के पावन अवसर पर पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार खिलारी ने विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शस्त्र पूजन किया। इस अवसर पर शस्त्रों की पूजा-अर्चना कर कर्तव्यनिष्ठा, साहस, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया।विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। पुलिस विभाग में शस्त्र पूजन की परंपरा राष्ट्र एवं समाज की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता, कर्तव्यपालन और अन्याय के विरुद्ध दृढ़ता का प्रतीक मानी जाती है। यह अवसर पुलिस बल को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ करने की प्रेरणा भी देता है।इस पावन पर्व पर पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार खिलारी ने जिले के समस्त नागरिकों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करते हुए पर्व को आपसी भाईचारे, सामाजिक सद्भाव एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का संदेश दिया।कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अविनाश मिश्रा सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने पारंपरिक शस्त्र पूजन में सहभागिता करते हुए कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही पुलिस जिले में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस ने नागरिकों से दशहरा त्योहार के दौरान आपसी सद्भाव बनाए रखने तथा शांतिपूर्ण ढंग से पर्व मनाने की अपील की।

## हर ब्लॉक में 30 से ज्यादा स्कूलों का चयनः

# 155 सरकारी स्कूलों में ब्लैकबोर्ड की जगह 65 इंच के स्मार्ट पैनल से पढ़ाई

**संवाददाता ➤ रायपुर**

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में पारंपरिक चॉक और ब्लैकबोर्ड का जमाना अब बीते दिनों की बात बनने जा रहा है। समग्र शिक्षा ने राज्य के पूर्व माध्यमिक, हाई, हायर सेकंडरी, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों और पीएमश्री स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने का अभियान शुरू किया है।इस योजना के तहत कक्षाओं में 65 इंच की 4 के टच स्क्रीन (इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल) लगाई जा रही हैं। इसकी मदद से बच्चे अब किताबों के पन्नों के साथ- साथ डिजिटल एनीमेशन, 3डी डायग्राम और ऑडियो-वीडियो के जरिए पढ़ाई कर सकेंगे।
रायपुर के 4 ब्लॉकों के इन स्कूलों का चयन
रायपुर जिले के चारों विकासखंडों में कुल 155 शासकीय स्कूलों को इस हाई-टेक स्मार्ट क्लास योजना में शामिल किया गया है।



### चरणबद्ध तरीके से बनाएंगे

निजी स्कूलों की तर्ज पर सरकारी स्कूलों में भी स्मार्ट क्लास रूम तैयार किए जा रहे हैं। स्मार्ट क्लास रूम बनाने के लिए समग्र शिक्षा की तरफ से जिले के 155 स्कूलों का चयन किया गया है। चरणबद्ध तरीके से स्मार्ट क्लास रूम बनाए जाएंगे। -सतीश कुमार नायर, डीईओ, रायपुर

### पीएमश्री में शुरू होगी वर्चुअल क्लास

सामान्य सरकारी स्कूलों की तुलना में पीएमश्री विद्यालयों को अतिरिक्त डिजिटल सेटअप मिलेगा। क्लासरूम ऑनलाइन वर्चुअल लैब बनेंगे। इनमें 5जी डोंगल, वेबकैम और कॉन्फ्रेंस माइक लगेंगे। सभी सिम सपोर्ट करने वाला कार्ड भी उपलब्ध कराया जाएगा।

# नई ट्रेन चलाने में प्रतिभा की हैट्रिकःजोन की पहली महिला लोको पायलट

**संवाददाता ➤ भिलाई**

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन बिलासपुर के अंतर्गत भिलाई की प्रतिभा बंसोड़ ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की है। वह जोन की ऐसी पहली महिला लोको पायलट बन गई हैं, जिन्हें तीन अलग-अलग मौकों पर उद्घाटन होने वाली नई ट्रेनों को पहली बार सफलता पूर्वक चलाने और यात्रियों को सफर कराने का गौरव मिला है।रावघाट स्टेशन से नई ट्रेन के संचालन को लेकर प्रतिभा का यह सफर रोमांचक और संघर्षशील रहा। इससे पहले उन्होंने 1 फरवरी 2016 को गुदुम से, फिर 14 अप्रैल 2018 को भानुप्रतापपुर से और अब तीसरी बार रावघाट से उद्घाटित ट्रेन को संचालित किया है।
रावघाट स्टेशन पर दोपहर ठीक 3.01 बजे दिल्ली से रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव, रायपुर से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और आयोजन स्थल से सांसद भोजराज नाग ने जैसे ही हरी झंडी दिखाई, प्रतिभा ने हार्न बजाते हुए ट्रेन को दुर्ग की ओर आगे बढ़ाया।
इस यात्रा में उनके साथ सहायक पायलट मनोज बंड रहे। दैनिक भास्कर से खास बातचीत में प्रतिभा ने पिछले 10 सालों के सफर के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में जब वह गुदुम से पहली बार ट्रेन लेकर आई थीं, तब वह क्षेत्र पूरी तरह नक्सल प्रभावित था।
उस समय मन में थोड़ी दुविधा जरूर थी, लेकिन कड़े प्रशिक्षण, ट्रैक के दोनों तरफ तैनात सुरक्षा बलों के जवानों और उच्च अधिकारियों के भरोसे ने उनके आत्मविश्वास को मजबूत किया।
14 अप्रैल 2018 को भानुप्रतापपुर का सफर ऐतिहासिक रहा। वह पूरा दिन महिलाओं के नाम रहा था, जहां स्टेशन मास्टर से लेकर गार्ड, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और टिकट निरीक्षक तक सारा स्टॉफ महिलाएं थीं।इस बार रावघाट से ट्रेन चलाने का मौका मिलने पर उन्होंने इसे अपने अधिकारियों के भरोसे और मार्गदर्शन का परिणाम बताया।

## न्यूज इन शॉर्ट

### शहरों के सुनियोजित विकास और आधुनिक अधोसंरचना को मिलेगी नई रफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शहरों के सुनियोजित एवं टिकाऊ विकास, आधुनिक शहरी अधोसंरचना के विस्तार और नगरीय निकायों को वित्तीय रूप से अधिक सक्षम बनाने की दिशा में राज्य सरकार एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 21 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे नवा रायपुर में अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) एवं अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग पर आयोजित एक दिवसीय क्षेत्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे।कार्यशाला में देशभर के शहरी विकास, वित्तीय प्रबंधन और अधोसंरचना क्षेत्र के नीति-निर्माता एवं विशेषज्ञ भाग लेंगे। इस दौरान शहरों के विकास के लिए नए वित्तीय संसाधन जुटाने, निजी निवेश आकर्षित करने, म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करने, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से अधोसंरचना विकसित करने तथा किफायती आवास परियोजनाओं को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन मंथन होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय की उपस्थिति में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा हुडको तथा सेप्ट यूनिवर्सिटी के साथ दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए जाएंगे। इन समझौतों के माध्यम से नगरीय निकायों की संस्थागत एवं वित्तीय क्षमता को मजबूत करने, आधुनिक शहरी नियोजन को बढ़ावा देने और निवेश आधारित अधोसंरचना परियोजनाओं को गति देने की दिशा में सहयोग बढ़ाया जाएगा।

राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और हुडको द्वारा संयुक्त रूप से नवा रायपुर स्थित होटल मेफेयर लेक रिसॉर्ट में आयोजित कार्यशाला में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू तथा उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।कार्यशाला में अर्बन चैलेंज फंड तथा अर्बन इन्वेस्ट विंडो के माध्यम से शहरी विकास परियोजनाओं के लिए वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने और नगरीय निकायों को निवेश योग्य परियोजनाएं तैयार करने में सक्षम बनाने पर विशेष फोकस रहेगा। इसके साथ ही शहरी परियोजनाओं को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने, उनकी वित्तीय योजना तैयार करने और दीर्घकालिक वित्तीय प्रबंधन की आधुनिक व्यवस्थाओं पर भी विशेषज्ञ मार्गदर्शन देंगे।कार्यशाला में हुडको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुलश्रेष्ठ मुख्य वक्तव्य देंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा प्रदेश में शहरी विकास की प्राथमिकताओं, नगरीय अधोसंरचना की आवश्यकताओं तथा कार्यशाला के उद्देश्यों पर अपने विचार रखेंगे।कार्यशाला के अंतर्गत दोपहर 12 बजे से तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में देश के विभिन्न राज्यों एवं संस्थाओं के विशेषज्ञ शहरी विकास के सफल मॉडल, वित्तीय नवाचार और परियोजनाओं को निवेश योग्य बनाने के व्यावहारिक पहलुओं पर अपने अनुभव साझा करेंगे।पहले तकनीकी सत्र में हुडको के महाप्रबंधक डॉ. विवेक अर्बन चैलेंज फंड और अर्बन इन्वेस्ट विंडो की अवधारणा, कार्यप्रणाली और शहरी विकास परियोजनाओं में इनके उपयोग की संभावनाओं पर प्रस्तुति देंगे। तेलंगाना शासन की सचिव डॉ. टी.के. श्रीदेवी तेलंगाना में अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन के अनुभव साझा करेंगी। इससे नगरीय निकायों को शहरी विकास के विभिन्न मॉडलों और उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन को समझने का अवसर मिलेगा।

दोपहर दो बजे से आयोजित दूसरे तकनीकी सत्र में अर्बन स्पेशलिस्ट सुश्री आस्था जैन परियोजनाओं की अवधारणा तैयार करने से लेकर उनके निर्माण तथा विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने की प्रक्रिया पर प्रस्तुति देंगी। सिटीजफोरम के श्री प्रकाश गौर बैंकेबल शहरी अधोसंरचना परियोजनाओं, किफायती आवास परियोजनाओं और पीपीपी स्ट्रक्चरिंग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे। विश्व बैंक के श्री रघु केसवन म्युनिसिपल फाइनेंस तथा रेवेन्यू रिंग फेंसिंग के माध्यम से शहरी परियोजनाओं के बेहतर वित्तीय प्रबंधन के तरीकों की जानकारी देंगे।यह सत्र नगरीय निकायों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगा, क्योंकि इससे उन्हें स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ऐसी परियोजनाएं तैयार करने में मार्गदर्शन मिलेगा, जिनमें संस्थागत वित्त और निजी निवेश आकर्षित करने की क्षमता हो।शाम सवा चार बजे आयोजित तीसरे तकनीकी सत्र में टिपसन्स के श्री उमेश खंडेलवाल म्युनिसिपल बॉन्ड के माध्यम से शहरी विकास के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

# छत्तीसगढ़ के भूपेंद्र नाग बने भाजयुमो के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

## राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर नियुक्ति, प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके हैं नाग

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के कांकेर के रहने वाले भूपेंद्र नाग को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर जारी नियुक्ति सूची में भूपेंद्र नाग का नाम शामिल है।

### संभाल चुके हैं प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

भूपेंद्र नाग इससे पहले छत्तीसगढ़ भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके हैं। प्रदेश स्तर पर संगठन में जिम्मेदारी निभाने के बाद अब उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। कांकेर के रहने वाले नाग की नियुक्ति से छत्तीसगढ़ को भाजयुमो की राष्ट्रीय टीम में प्रतिनिधित्व मिला है।

### राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर 7 नेताओं को जिम्मेदारी

भाजपा की ओर से जारी सूची में भूपेंद्र नाग के अलावा जम्मू-कश्मीर की विधायक शगुन परिहार, उत्तर प्रदेश के निखिल मणि तिवारी, नागालैंड के अरविंद दमानी, तेलंगाना की मालोथ कोमली नाइक, बिहार के राज राजेंद्र सिंह और पश्चिम बंगाल के विधायक सौमेन करफा को राष्ट्रीय



उपाध्यक्ष बनाया गया है।

### राष्ट्रीय महामंत्री पद पर 3 नेताओं की नियुक्ति

राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर ओडिशा की अर्पिता अपराजिता



बड़जेना, उत्तर प्रदेश के हर्ष वर्धन सिंह और आंध्र प्रदेश के मिटल वामशी कृष्णा को जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, सभी नई नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

## 2 दिन बाद रात का पारा 1 से 2 डिग्री गिरेगा, हल्की ठंड बढ़ेगीडु

# छत्तीसगढ़ में 5 दिन मौसम साफ, बारिश के आसार नहीं

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिनों तक मौसम साफ रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में फिलहाल बारिश के आसार नहीं हैं। अगले 2 दिनों तक रात के तापमान में भी कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। इसके बाद न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इससे रात के समय हल्की ठंड बढ़ने का अहसास हो सकता है।मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में मौसम साफ रहा। कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। रायपुर में अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 1.4 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0.7 डिग्री अधिक है।



### अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक प्रदेश में बारिश की संभावना नहीं जताई है। आज (21 अक्टूबर) छत्तीसगढ़ में मौसम साफ रहने का अनुमान है। इस दौरान किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की गई है।अगले 2 दिनों तक रात के तापमान में विशेष बदलाव होने की संभावना नहीं है। इसके बाद न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट हो सकती है।रायपुर में आज (21 अक्टूबर) मौसम साफ रहेगा। यहां अधिकतम तापमान करीब 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। 20 अक्टूबर को रायपुर में अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

# छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले कलाकार प्रदेश की अमूल्य धरोहर




संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की कला प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय मंच पर लहराया परचम, जशपुर के डॉ. आनन्द पाण्डेय और सारंगढ़ के श्री घनश्याम साहू को प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कारछत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति और रंगमंचीय परंपरा के लिए यह अत्यंत गौरवशाली उपलब्धि है। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मेघदूत थिएटर परिसर, रविन्द्र भवन, नई दिल्ली में 19 अक्टूबर 2026 को आयोजित समारोह में प्रदेश के दो प्रतिभाशाली कलाकार प्रसिद्ध रंगमंच में योगदान के लिए जशपुर के डॉ. आनन्द पाण्डेय एवं विशिष्ट नाट्य लेखन एवं छत्तीसगढ़ी फिल्मों में प्रभावशाली पटकथा लेखन के लिए सारंगढ़ के श्री घनश्याम साहू को संगीत नाटक अकादमी के प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया।उल्लेखनीय है कि सुदूर आदिवासी अंचल जशपुर में रंगमंच की अलख जगाने वाले डॉ. आनन्द पाण्डेय को उत्कृष्ट अभिनय तथा सारंगढ़ के श्री घनश्याम साहू को विशिष्ट नाट्य लेखन एवं छत्तीसगढ़ी फिल्मों में प्रभावशाली पटकथा लेखन के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। दोनों कलाकारों की इस उपलब्धि ने छत्तीसगढ़ की रचनात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक समृद्धि और नाट्य परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।




छत्तीसगढ़ के वनांचलों और छोटे कस्बों से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले इन कलाकारों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा और सृजनशीलता किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। कला के प्रति समर्पण, निरंतर साधना और रचनात्मक प्रतिबद्धता के बल पर प्रदेश के कलाकार राष्ट्रीय सांस्कृतिक परिदृश्य में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

### जशपुर के डॉ. आनन्द पाण्डेय ने रंगमंच को दी नई पहचान

छत्तीसगढ़ के सुदूर आदिवासी अंचल जशपुर में रंगमंच की परंपरा को आगे बढ़ाने और अभिनय के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले डॉ. आनन्द पाण्डेय को उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

# पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जिले के 5 हजार 471 हितग्राहियों को हो रही है बिजली की बचत

संवाददाता ➤ महासमुंद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा में जनकल्याण और आत्मनिर्भरता को हमेशा प्राथमिकता मिली है। इसी सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। योजना के माध्यम से घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर परिवार अपनी बिजली की जरूरतें और बिजली बिल में बचत के साथ स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा दे रहे हैं।पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 5 किलोवाट तक के सोलर रूफटॉप सिस्टम पर केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपए तथा राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपए तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इससे सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का खर्च कम हो रहा है और आम परिवारों को दीर्घकालिक आर्थिक राहत मिल रही है। महासमुंद जिले में अब तक 9 हजार 683 नागरिकों ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया है, जिनमें से 5 हजार 471 हितग्राही योजना से लाभान्वित हो चुके हैं।

महासमुंद निवासी दिनेश साहू ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के माध्यम से उन्हें नियमित और सस्ती ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद उनके बिजली बिल में काफी कमी आई है, जिससे परिवार की आर्थिक बचत बढ़ी है। इसी तरह महासमुंद निवासी धनंजय जलक्षत्री ने बताया कि योजना के माध्यम से सोलर पैनल स्थापित कराने पर शासन से सब्सिडी मिली, जिससे स्थापना का खर्च कम हुआ। अब उनके घर में दिनभर सौर ऊर्जा से बिजली उपलब्ध रहती है। इससे बिजली की बचत हो रही है और परिवार का मासिक खर्च भी कम हुआ है।ईमली भाठा महासमुंद निवासी गौतम साहू ने बताया कि पर सोलर पैनल लगने के बाद बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है।

## निर्धारित समय सीमा में करे खसरो की त्रुटि रहित प्रविष्टि-कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन

# ग्राम केरीबंधा के अंदरूनी खेतों में पहुंचकर कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन ने पीवी ऐप सर्वे कार्यो का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता ➤ सक्ती

कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन द्वारा जिले में चल रहे पीवी ऐप सर्वे कार्यों को पूरी गंभीरता से और निर्धारित समय सीमा में त्रुटि रहित प्रविष्टि पूर्ण किए जाने के लिए राजस्व विभाग, कृषि विभाग, पंचायत विभाग सहित सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं। जिसके तहत आज कलेक्टर श्रीमती जैन द्वारा जनपद पंचायत सक्ती अंतर्गत ग्राम केरीबंधा के अंदरूनी खेतों में पहुँचकर पीवी ऐप के माध्यम से किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्यों का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर द्वारा ग्राम केरीबंधा में अर्जुनी फसल के भौतिक सत्यापन का निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सर्वे कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने सर्वे कार्य में लगे सर्वेयर सहित संबंधित राजस्व अधिकारियों, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग एवं अन्य संबंधित



अधिकारियों को डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य पूरी सावधानी एवं सटीकता के साथ त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सर्वे कार्य के दौरान किसी भी किसान का रकबा अथवा खसरा छूटने नहीं पाए। उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान सभी आवश्यक जानकारियों का सही-सही संकलन सुनिश्चित किया जाए, ताकि डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पूर्ण हो सके।

### कोई भी पात्र किसान इस प्रक्रिया से छूटने न पाए

इस दौरान कलेक्टर ने उपस्थित किसानों से भी चर्चा कर सर्वे कार्य के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने किसानों से सर्वे कार्य में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि पीवी ऐप सर्वे एवं एग्रीस्टैक पंजीयन से वंचित शेष किसान अपना पंजीयन अवश्य कराएं, ताकि कोई भी पात्र किसान इस प्रक्रिया से छूटने न पाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सक्ती श्री सी के आदिले, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित संबंधित सरपंच, सचिव एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देशन में अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार सहित राजस्व एवं विभागीय अधिकारी पीवी ऐप से संबंधित कार्यों का कर रहे निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन के निर्देशन में जिले में पीवी ऐप से संबंधित कार्यों की प्रगति एवं क्रियान्वयन की सतत निगरानी की जा रही है। इसके तहत अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार सहित राजस्व एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मैदानी स्तर पर पहुंचकर कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा कार्यों की स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं, ताकि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण किया जा सके।

## न्यूज इन शॉर्ट

### बेमेतरा में अवैध शराब की तस्करी का खुलासा, बाइक सवार गिरफ्तार

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। साइबर सेल और कंडरका चौकी पुलिस की संयुक्त टीम ने मोटरसाइकिल से अवैध रूप से देशी मसाला शराब का परिवहन करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी सफेद बोरी में शराब रखकर बाइक से ग्राम भरदा की ओर जा रहा था। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। आरोपी के कब्जे से 39 पौवा देशी मसाला शराब और परिवहन में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल जब्त की गई है। जब्त शराब और वाहन की कुल अनुमानित कीमत 53 हजार 900 रुपये बताई गई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।जानकारी के अनुसार, 19 अक्टूबर 2026 को कंडरका चौकी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम भरदा निवासी विनोद कुमार भारती मोटरसाइकिल से अवैध शराब लेकर गांव की ओर आ रहा है। सूचना में बताया गया था कि युवक मोटरसाइकिल क्रमांक पर सफेद रंग की बोरी में देशी मसाला शराब रखकर परिवहन कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल और कंडरका चौकी पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई। पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध के आने वाले मार्ग पर घेराबंदी की।घेराबंदी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार युवक को रोका। उसकी पहचान विनोद कुमार भारती निवासी ग्राम भरदा, चौकी कंडरका, थाना बेरला के रूप में हुई। पुलिस ने युवक के पास मौजूद सफेद बोरी की जांच की। तलाशी लेने पर उसमें देशी मसाला शराब के पौवे मिले। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से कुल 39 पौवा शराब बरामद की गई। इसकी कुल मात्रा 7,020 मिलीलीटर यानी 7.02 लीटर बताई गई है।

### खैरागढ़ में अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में पुलिस ने शासकीय स्कूल में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मोहगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अजानकपुर स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से करीब 2 लाख 50 हजार रुपये कीमत की सामग्री बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में मध्य प्रदेश का एक युवक भी शामिल है। पुलिस ने इसे अंतरराज्यीय चोर गिरोह से जुड़ा मामला बताया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।जानकारी के अनुसार, मोहगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अजानकपुर स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में 1 अक्टूबर 2026 को चोरी की घटना सामने आई थी। स्कूल परिसर का निरीक्षण करने पर विभिन्न कमरों में रखे शैक्षणिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, बर्तन और अन्य उपयोगी सामान गायब मिले थे। चोरी की इस वारदात से स्कूल की आवश्यक सामग्री को नुकसान पहुंचा। घटना की जानकारी मिलने के बाद मोहगांव पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने अपराध क्रमांक 23/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4), 305(3) और अन्य संबंधित प्रावधानों में अपराध दर्ज किया।

### अंबिकापुर में 80 फीट का रावण स्वाक, आतिशबाजी के बीच मंच पर लगी आग

**अंबिकापुर।** छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में विजयादशमी का पर्व धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। पीजी कॉलेज मैदान में हजारों लोगों की मौजूदगी में 80 फीट ऊंचे रावण के विशालकाय पुतले का दहन किया गया। इस दौरान आकर्षक आतिशबाजी और लेजर लाइट शो का आयोजन हुआ। हालांकि, आतिशबाजी के दौरान एक पटाखा मंच के ऊपर फटने से आग लग गई, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्काल आग पर काबू पा लिया। वहीं, सरगुजा पैलेस में रियासतकालीन परंपरा के अनुसार शस्त्र पूजन किया गया और राजपरिवार के प्रमुख टीएस सिंहदेव से मिलने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सरगुजा सेवा समिति, नागरिक समिति और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में विजयादशमी महोत्सव का आयोजन किया गया।

# वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने माँ चंद्रहासिनी देवी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

**दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की**

**संवाददाता ➤ रायपुर**

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने माँ चंद्रहासिनी देवी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना कीवित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने माँ चंद्रहासिनी देवी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने आज चंद्रपुर स्थित प्रसिद्ध माँ चंद्रहासिनी देवी मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने माँ चंद्रहासिनी देवी के चरणों में शीश नवाकर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और निरंतर प्रगति की मंगलकामना की।

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने माँ चंद्रहासिनी देवी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि अलौकिक तेज, दिव्य आभा और असीम करुणा से भक्तों के जीवन को आलोकित करने वाली माँ चंद्रहासिनी का पावन धाम छत्तीसगढ़ की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चेतना और अटूट आस्था का अनुपम केंद्र है। माँ चंद्रहासिनी देवी के प्रति श्रद्धालुओं की अगाध आस्था हमारी सनातन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं का प्रतीक है।उन्होंने प्रार्थना की कि माँ चंद्रहासिनी देवी की कृपा समस्त प्रदेशवासियों पर सदैव बनी रहे तथा छत्तीसगढ़ विकास, समृद्धि और खुशहाली के पथ पर निरंतर अग्रसर होता रहे।



## गौ सेवा ही सबसे बड़ी सेवा: वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी

**गौ सेवा ही सबसे बड़ी सेवा- वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी**

**वित्त मंत्री श्री चौधरी ने रायगढ़ में नवनिर्मित गौ चिकित्सालय का किया शुभारंभ**

**संवाददाता ➤ रायपुर**

गौ सेवा ही सबसे बड़ी सेवा- वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी गौ सेवा ही सबसे बड़ी सेवा-वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी

गौ सेवा हमारी सनातन संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों का अभिन्न अंग है। गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी भी है। प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने विजयादशमी के पावन अवसर पर रायगढ़ में चक्रधर गौशाला ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित गौ चिकित्सालय का शुभारंभ करते हुए यह बात कही।

**गौ सेवा ही सबसे बड़ी सेवा- वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी**

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने गौ चिकित्सालय के शुभारंभ पर चक्रधर गौशाला ट्रस्ट के सेवाभावी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गौ सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। हमारी सनातन परंपरा में गौ माता को विशेष स्थान प्राप्त है। गौवंश की सेवा, संरक्षण और उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए किए जाने वाले ऐसे प्रयास समाज में सेवा, संवेदना और करुणा की भावना को मजबूत करते हैं।उन्होंने कहा कि चक्रधर गौशाला ट्रस्ट द्वारा स्थापित यह गौ चिकित्सालय गौवंश के उपचार और देखभाल की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इससे बीमार एवं जरूरतमंद गौवंश को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि सेवा के ऐसे छोटे-छोटे प्रयास ही हमारी सनातन परंपराओं को जीवंत बनाए रखते हैं। गौ सेवा के प्रति समाज की सहभागिता और समर्पण भाव हमारी सांस्कृतिक विरासत को और अधिक सशक्त बनाते हैं। उन्होंने इस पुनीत कार्य से जुड़े सभी गौ सेवकों एवं ट्रस्ट के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।




## वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

**विजयादशमी सत्य, धर्म और सदाचार की विजय का प्रतीक, भगवान श्रीराम के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देता है यह महापर्व- वित्त मंत्री श्री चौधरी**

**संवाददाता ➤ रायपुर**

प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने विजयादशमी (दशहरा) के पावन अवसर पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की मंगलकामना की है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि श्यतो धर्मस्ततो जयःश् अर्थात जहां धर्म है, वहीं विजय है। विजयादशमी का महापर्व अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश की शाश्वत विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों का अनुसरण करते हुए सत्य, न्याय, साहस, सदाचार और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

श्री चौधरी ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन आदर्श शासन, लोककल्याण, मर्यादा और जनसेवा का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श हमें समाज में सद्भाव, एकता और भाईचारे को मजबूत करने के साथ जनकल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की सीख देते हैं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने भगवान श्रीराम से प्रार्थना की कि विजयादशमी का यह पावन पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, सकारात्मकता और खुशहाली लेकर आए। प्रभु श्रीराम की कृपा से छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति और समृद्धि के पथ पर अग्रसर हो तथा प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो।




## नवरात्रि पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पिपरिया में विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों के पंडालों में पहुंचकर की पूजा-अर्चना

**मां दुर्गा के दर्शन कर माता के जसगीतों में हुए शामिल, श्रद्धालुओं के साथ बजाए मंजीरे**

**संवाददाता ➤ रायपुर**

नवरात्रि की महाअष्टमी के पावन अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के ग्राम पिपरिया में विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों के पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। इस दौरान आस्था, भक्ति और उत्साह का सुंदर संगम देखने को मिला। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा भी माता की भक्ति में सराबोर नजर आए। कहीं उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ मंजीरे बजाकर माता के जसगीत गाए, तो कहीं ग्रामीणों के साथ भजनों में शामिल होकर उत्सव की खुशियां साझा की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पिपरिया में बजरंग दल दुर्गा उत्सव समिति, मां भवानी दुर्गा उत्सव समिति, सर्व दुर्गा उत्सव समिति, मां शीतला दुर्गा उत्सव समिति, मां संतोषी दुर्गा उत्सव समिति तथा लक्ष्मी चौक स्थित तिरंगा दुर्गा उत्सव समिति के पंडालों में पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उन्होंने उत्सव समितियों के सदस्यों एवं ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं।



## बिलासपुर में साइबर ठगों का बड़ा खेल, 100 से ज्यादा खातों में भेजे पैसे

**संवाददाता ➤ बिलासपुर**

***छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में साइबर ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां प्रयास पब्लिक स्कूल के बैंक खाते का कथित तौर पर म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल कर 1 करोड़ 12 लाख रुपये का संदिग्ध लेनदेन किया गया।***

स्कूल संचालक का मोबाइल कोलकाता में गुम होने के बाद साइबर ठगों ने कथित रूप से बैंक खाते तक पहुंच हासिल कर इस वारदात को अंजाम दिया। आरोप है कि जालसाजों ने पहले 800 रुपये का ट्रायल ट्रांजेक्शन किया और इसके बाद एक ही दिन में करोड़ों रुपये का लेनदेन कर रकम 100 से ज्यादा बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी। मामले की शिकायत पर सरकंडा पुलिस ने अपराध दर्ज कर केस डायरी कोलकाता भेज दी है।

### पहले 800 रुपये का किया ट्रायल ट्रांजेक्शन

स्कूल संचालक के अनुसार, उनका मोबाइल नंबर आईसीआईसीआई बैंक की राजकिशोर नगर शाखा में संचालित स्कूल के खाते से जुड़ा हुआ था। शिकायत के मुताबिक, साइबर ठगों ने कथित तौर पर इसी मोबाइल नंबर और बैंक खाते तक पहुंच हासिल की। इसके बाद 14 अगस्त को पहले 800 रुपये का ट्रायल ट्रांजेक्शन किया गया। फिर उसी दिन खाते में बड़े पैमाने पर संदिग्ध लेनदेन होने लगे। आरोप है कि खाते के माध्यम से कुल 1.12 करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया और रकम 100 से अधिक बैंक खातों में भेज दी गई।इस मामले की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि संदिग्ध लेनदेन शुरू होने से पहले स्कूल के बैंक खाते में केवल 181 रुपये शेष थे। रुपये का लेनदेन किया गया।

**वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा-माँ दुर्गा की आराधना हमारी आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं का प्रतीक**

# माँ भगवती से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की

**संवाददाता ➤ रायपुर**

महानवमी पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में की माँ दुर्गा की पूजा-अर्चनामहानवमी पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में की माँ दुर्गा की पूजा-अर्चनामहानवमी पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में की माँ दुर्गा की पूजा-अर्चनाशारदीय नवरात्रि की महानवमी के पावन अवसर पर प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर माँ दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने माँ भगवती के चरणों में शीश नवाकर समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं से मुलाकात कर महानवमी पर्व की शुभकामनाएं भी दीं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने माँ दुर्गा की महिमा का स्मरण करते हुए कहा कि नवरात्रि का पावन पर्व शक्ति, भक्ति, साधना और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। माँ भगवती की आराधना हमें जीवन में साहस, सद्भाव, सेवा और लोककल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। हमारी सनातन संस्कृति में आदिशक्ति माँ दुर्गा की उपासना का विशेष महत्व है। यह पर्व हमारी समृद्ध धार्मिक परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता को सशक्त बनाता है।उन्होंने कहा कि रायगढ़ सहित पूरे छत्तीसगढ़ में नवरात्रि के दौरान श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिलता है। दुर्गा पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की आस्था और सामूहिक सहभागिता हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखती है।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने माँ भगवती से प्रार्थना की कि उनकी असीम कृपा और आशीर्वाद समस्त प्रदेशवासियों पर सदैव बना रहे। छत्तीसगढ़ में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का निरंतर विस्तार हो तथा प्रदेश विकास और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे।





## भारत-पाकिस्तान में होगा एशियन गेम्स फाइनल



**टीम इंडिया ने श्रीलंका को 124 रन से हराया; ईशान की फिफ्टी, वैभव ने 38 रन बनाए**

निशिन। भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। अब शनिवार को गोल्ड के लिए भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह पहला मौका है जब ये दोनों टीमें एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले में आमने-सामने होंगी।भारत ने जापान के निशिन में खेले गए सेमीफाइनल में पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 9.5 ओवर में 45 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के 6 बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके। जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 विकेट झटके। 3 बल्लेबाज रनआउट हुए।

ईशान किशन ने नाबाद 80 रन की पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी ने भी 21 गेंदों पर 38 रन बनाए।

भारत की श्रीलंका पर सबसे बड़ी जीत, 9 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ाभारत ने श्रीलंका पर टी-20 क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया। पिछली सबसे बड़ी जीत 93 रन की थी, जो 2017 में कटक में मिली थी।

### पाकिस्तान ने बांग्लादेश से जीता 13-13 ओवर का मैच

पाकिस्तान ने मेंस क्रिकेट के सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। यह मैच बारिश से प्रभावित हुआ। इसे 13-13 ओवर का कर दिया गया था। बांग्लादेश ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट पर 111 रन बनाए। पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में 4 विकेट पर जीत हासिल कर ली।

## भारत ने जिम्बाब्वे को 92 रन से हराया



भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में 92 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 216 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 124 रन ही बना सकी।भारत के लिए शेफाली वर्मा और हरमनप्रीत कौर ने फिफ्टी लगाई। शेफाली ने 37 गेंदों पर 69 रन बनाए। हरमनप्रीत 41 गेंदों पर 91 रन बनाकर नाबाद रहीं। गेंदबाजी में नंदनी शर्मा ने 18 रन देकर 3 विकेट लिए।

## बल्ले से कोहराम मचाने का मिला बंपर इनाम



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में अपने बल्ले से तबाही मचाने वाले टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को आईसीसी ताजा वनडे रैंकिंग में जबरदस्त फायदा मिला है शानदार नाबाद शतक जड़ने के बाद कोहली ने लंबी छलांग लगाते हुए सीधे दूसरा स्थान हासिल कर लिया है विराट कोहली ने पहले मैच में बल्ले से तेज तर्रार अंदाज में शतक जड़ते हुए टीम को जीत दिला दी थी।आईसीसी की ताजा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में विराट कोहली ने डेरिल मिशेल को पीछे छोड़ते हुए दूसरा पायदान अपने नाम कर लिया है अब वह नंबर-1 पर काबिज भारतीय कप्तान शुभमन गिल से ज्यादा दूर नहीं हैं

### कोहली ने किया कमाल

वेस्टइंडीज के खिलाफ 88 गेंदों पर नाबाद 139 रनों की तूफानी पारी खेलने के बाद कोहली के रेटिंग पॉइंट्स बढ़कर 796 हो गए हैं जुलाई 2022 के बाद पहली बार विराट कोहली इतने पॉइंट पर आए हैं

### गुवाहाटी की पिच पर भड़के भारतीय कोच गंभीरःकहा-

## यह क्रिकेट नहीं, बैटिंग है; भारत-विंडीज मैच में 5 शतक लगे, 811 रन बने

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर ने गुवाहाटी की पिच को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा, 'यह क्रिकेट नहीं है, यह सिर्फ बैटिंग है।'भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे वनडे में कुल 811 रन बने। वेस्टइंडीज ने 405/7 का स्कोर बनाया। भारत ने 27 39 गेंद बाकी रहते ही टारगेट चेज कर लिया। टीम की जीत के बावजूद गंभीर ने पिच पर गेंद और बल्ले के बीच बराबरी का मुकाबला नहीं होने पर सवाल उठाए।

गंभीर बोले- गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं था

गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के पोस्ट मैच शो में कहा कि क्रिकेट में बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होना चाहिए। जब कोई टीम 400 रन बनाती है और दूसरी टीम भी आसानी से उसका पीछा कर लेती है, तो इसका मतलब है कि पिच में गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं था।



रिकॉर्ड और ब्रॉडकास्ट के लिए मैच अच्छा, लेकिन गेंदबाजों के लिए नहींगंभीर ने कहा कि रिकॉर्ड और दर्शकों के लिहाज से ऐसा मैच अच्छा हो सकता है। ब्रॉडकास्टर्स के लिए भी यह शानदार हो सकता है। लेकिन एक क्रिकेट फैन और कोच के तौर पर गेंदबाजों के प्रति भी सहानुभूति होनी चाहिए।

### बोले- बॉलर्स के साथ अन्याय है

गंभीर ने कहा कि ऐसी फ्लैट पिच पर गेंदबाजी करना बॉलर्स के साथ अन्याय है। विकेट पर गेंदबाजों के लिए भी कुछ ऐसा होना चाहिए, जिससे वे अपनी क्षमता दिखा सकें।

## व्यापार

## मारुति की कारें अगस्त से 30,000 तक महंगी हो जाएंगी

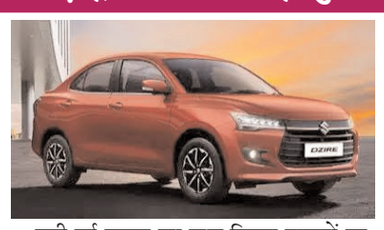
### 2 महीने में दूसरी बार कीमतें बढ़ाईं, कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से फैसला लिया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोत्तरी का ऐलान किया है। कंपनी अपनी कारों के दाम 30,000 रुपए तक बढ़ाएगी। नई कीमतें अगस्त 2026 से लागू होंगी। कंपनी ने 21 जुलाई, मंगलवार को शेयर बाजारों को भेजी जानकारी यानी रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग दाम बढ़ाए जाएंगे।

कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से लेना पड़ा फैसला

कंपनी ने बताया कि लगातार बढ़ रही इनपुट कॉस्ट यानी लागत बढ़ने की वजह से यह फैसला लेना पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में कंपनी ने अपने स्तर पर लागत घटाने की कोशिश की, ताकि ग्राहकों पर सीधा असर न पड़े। हालांकि, महंगाई दर ऊंची रहने और कारोबारी माहौल अनुकूल न होने की वजह से



बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना मजबूरी हो गया है।

### 2 महीने में दूसरी बार बढ़ेंगे दाम

इस साल मारुति सुजुकी की तरफ से यह पहली बढ़ोत्तरी नहीं है। इससे पहले कंपनी ने जून 2026 में भी अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में 30,000 रुपए तक का इजाफा किया था। उस बढ़ोत्तरी का ऐलान 21 मई 2026 को किया गया था। उस समय भी कंपनी ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी और महंगाई के दबाव को ही मुख्य वजह बताया था। अगस्त से लागू होने वाला नया संशोधन जून में हुई बढ़ोतरी के ऊपर अतिरिक्त इजाफा होगा।

3.50 लाख से ?25 लाख तक के वाहन बेचती है कंपनी मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में एंट्री-लेवल हैचबैक से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां बेचती है। इनमें एंट्री-लेवल मॉडल स्-क्कद्दह्यह्यश्र से लेकर प्रीमियम स्क्कड्ड इनविक्टो शामिल हैं। फिलहाल कंपनी के पोर्टफोलियो की एक्स-शोरूम कीमतें ?3.50 लाख से शुरू होकर ?25 लाख तक जाती हैं। अगस्त से होने वाली बढ़ोतरी के बाद एंट्री-लेवल और प्रीमियम दोनों सेगमेंट की कारें महंगी हो जाएंगी।शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होता है कि वे अपने किसी भी बड़े बिजनेस फैसले, मुनाफे, नुकसान या कीमतों में बदलाव की जानकारी %सेबी% या स्टॉक एक्सचेंज को दें। इसी आधिकारिक दस्तावेज को रेगुलेटरी फाइलिंग कहते हैं। इनपुट कॉस्ट- किसी भी कार को बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल (जैसे स्टील, प्लास्टिक, एल्युमिनियम, रबर और इलेक्ट्रॉनिक्स) की कुल लागत को इनपुट कॉस्ट कहा जाता है।

## सेंसेक्स 715 अंक गिरकर 76755 पर बंदःनिफ्टी भी 191 अंक फिसलकर 23996 पर आया;

एजेंसी ➤ मुंबई

शेयर बाजार में आज यानी 22 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 715 अंक की गिरावट के साथ 76,755 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 191 अंक की गिरावट रही, ये 23,996 पर बंद हुआ। रियल्टी, ह्लूज़, मीडिया और बैंकिंग शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन यानी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून के नतीजे जारी किए। को इस तिमाही में 3,962.13 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 6,123.93 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। इसके अलावा, मार्च तिमाही में भी इस तेल मार्केटिंग कंपनी ने 3,191.49 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था।

94 डॉलर पर पहुंचा कच्चा तेल

ब्रेंट क्रूड में आज करीब 3त्न की तेजी है। ये 94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जानकारों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव और बढ़ा, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार रहा इंडेक्स लेवल पॉइंट चेंज परसेंट चेंज

| इंडेक्स | लेवल | पॉइंट चेंज | परसेंट चेंज |
|---|---|---|---|
| कोस्पी (साउथ कोरिया) | 6798 | +50 | +0.74त्न |
| निक्केई (जापान) | 66116 | -117 | -0.18त्न |
| हैंगसेंग (हॉन्गकॉन्ग) | 24893 | -240 | -0.95त्न |

21 जुलाई को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही थी

| | | | |
|---|---|---|---|
| डाउ जोन्स | 52225 | +385 | +0.74त्न |
| नैस्डैक | 25837 | +329 | +1.29त्न |
| स्×क्क500 | 7509 | +66 | +0.89त्न |

7 दिन में विदेशी निवेशकों ने ?4,660 करोड़ के शेयर खरीदे

कल बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी 21 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट रही थी।



### बोनस शेयर का प्लान टला; पहली तिमाही में मुनाफा 79त्न बढ़कर ?220 करोड़ रहा

## रिजल्ट के बाद पेटीएम का शेयर 4प्रतिशत फिसला

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद पेटीएम के शेयरों में आज मंगलवार 21 जुलाई को गिरावट रही। बाजार खुलते ही शेयर में 2.5त्न से ज्यादा की तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर में यह गिर गया। ये 3.86त्न नीचे ?1295 पर बंद हुआ।

विजय शेखर शर्मा की अगुआई वाली इस फिनटेक कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 79त्न बढ़कर 220 करोड़ रुपए दर्ज किया गया है। लेकिन बोनस शेयर टलने की खबर से बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

### पेटीएम ने 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया

कंपनी के शेयर ने बीते 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया है। हालांकि, मार्केट डेब्यू के करीब 5 साल बाद भी यह शेयर अपने आईपीओ प्राइस ?2,150 से नीचे है। 30 जून 2026 को समाप्त हुई इस तिमाही में ऑपरेशन्स से पेटीएम का रेवेन्यू 28त्न बढ़कर ?2,448 करोड़ पर पहुंच गया है, जो एक साल पहले इसी अवधि में ?1,918 करोड़ था। वहीं कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 79त्न बढ़कर ?220 करोड़ रहा है।

कंपनी को अपने पेमेंट बिजनेस, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन और फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन में लगातार ग्रोथ से यह मुनाफा हासिल हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में पेटीएम को ?123 करोड़ का मुनाफा हुआ था। वहीं, मार्च तिमाही में ?183 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

पेटीएम मनी में ?100 करोड़ के निवेश को मंजूरी

पेटीएम के बोर्ड ने अपनी सब्सिडियरी कंपनी पेटीएम मनी में राइट्स इश्यू के जरिए ?100 करोड़ तक के निवेश को मंजूरी दी है। इस फंड का इस्तेमाल टेक्नोलॉजी में निवेश, रेगुलेटरी कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और कंपनी के इन्वेस्टमेंट व वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस के विस्तार के लिए किया जाएगा।

### आईपीओ के बचे 1,686 करोड़ के इस्तेमाल का प्लान बदला

कंपनी के बोर्ड ने आईपीओ से मिली अनयूज्ड 1,686 करोड़ की बची हुई रकम के इस्तेमाल और उसकी समय-सीमा में बदलाव का प्रस्ताव भी पास किया है। बोर्ड ने इस रकम के उपयोग का समय बढ़ाकर 31 मार्च 2029 तक करने के लिए शेयरहोल्डर्स से मंजूरी लेने का फैसला किया है।

कंपनी का कहना है कि इस फ्लेक्सिबिलिटी से उसे पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज इकोसिस्टम को मजबूत करने और ग्रोथ के नए मौकों को हासिल करने में मदद मिलेगी।

बोनस शेयर का प्लान क्यों टला?

कंपनी के बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने का प्रस्ताव टाल दिया है। बोर्ड ने कहा कि लॉन्ग-टर्म शेयरहोल्डर वैल्यू के नजरिए से प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के बाद यह फैसला लिया गया है।बोर्ड का मानना है कि कंपनी को अभी अपनी ग्रोथ बढ़ाने और प्रॉफिटेबिलिटी को और मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि शेयरधारकों के लिए बेहतर वैल्यू क्रिएट हो सके। के बिजनेस हेड हर्षल दसानी के मुताबिक, पेटीएम का क्का स्क्कड्ड27 रिजल्ट इस बात का साफ सबूत है कि कंपनी अब टर्नअराउंड फेज से निकलकर प्रॉफिटेबिलिटी फेज में आ चुकी है। 28त्न की रेवेन्यू ग्रोथ के साथ ?203 करोड़ का अब तक का सबसे ज्यादा तिमाही श्वञ्चह्लङ्घञ्ज और ?220 करोड़ का मुनाफा दिखाता है कि कंपनी का कॉस्ट स्ट्रक्चर अब मजबूत हो चुका है। अब बढ़ता रेवेन्यू सीधे मुनाफे में बदल रहा है।

## अडाणी एनर्जी का मुनाफा 124त्न बढ़कर 1,149 करोड़:पहली तिमाही में रेवेन्यू 42त्न चढ़ा;

एजेंसी ➤ मुंबई

अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दोगुना से ज्यादा यानी 124त्न बढ़कर 1,149 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

कंपनी की कुल कमाई में तेज बढ़ोतरी और रेगुलेटरी डेफरल इनकम में आए पॉजिटिव बदलाव से नतीजों को मजबूती मिली है। नतीजों की घोषणा के बाद अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर दोपहर के कारोबार में 3त्न चढ़कर 1,781.2 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि, यह 1,737 रुपए पर बंद हुआ।

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 42त्न बढ़ा

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू सालाना आधार पर 42.4त्न बढ़कर 9,711 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 6,819 करोड़ रुपए था। कंपनी का ऑपरेशनल मुनाफा (श्वञ्चह्लङ्घञ्ज) 30त्न बढ़कर 3,008 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, श्वञ्चह्लङ्घञ्ज मार्जिन में मामूली गिरावट देखी गई और यह पिछले साल के 33.9त्न से घटकर 31त्न पर आ गया।

कंपनी को रेगुलेटरी इनकम का मिला फायदा

कंपनी ने पहली तिमाही में 29 करोड़ रुपए की रेगुलेटरी डेफरल इनकम दर्ज की है। इसकी तुलना में पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 504 करोड़ रुपए का रेगुलेटरी डेफरल खर्च उठाना पड़ा था। इस पॉजिटिव बदलाव ने कंपनी के नेट मुनाफे को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

कंपनी के बिजनेस सेगमेंट का परफॉर्मेंस

कंपनी के अलग-अलग बिजनेस सेगमेंट्स में भी अच्छी ग्रोथ देखने को मिली है-ज

ट्रांसमिशन बिजनेस- कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 52.4त्न की भारी बढ़ोतरी के साथ 3,335.3 करोड़ रुपए पहुंच गया।

डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस- इस सेगमेंट से रेवेन्यू 5त्न बढ़कर 3,520.4 करोड़ रुपए हो गया।

स्मार्ट मीटरिंग बिजनेस- इसमें 200त्न से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई और रेवेन्यू 346.9 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एनर्जी सॉल्यूशंस प्लेटफॉर्म- इस प्लेटफॉर्म से होने वाला रेवेन्यू 9 गुना से ज्यादा उछलकर 1,906.8 करोड़ रुपए दर्ज किया गया।




# फॉर्म 6 का 'फ्रॉड'

*चुनाव आयोग, खासकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता, विपक्षी आंदोलन और राजनीति के निशाने पर हैं। कांग्रेस कार्यसमिति और शेष विपक्ष की सामूहिक मांग है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को निलंबित किया जाए। यदि संभव है, तो उसे रद्द ही कर दिया जाए। अभी तक जिन 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उन्हें बहाल किया जाए। यह कैसे संभव है, क्योंकि उनमें से 2.80 करोड़ से ज्यादा मतदाता तो 'दिवंगत' (मृत) हो चुके हैं। शेष 10.57 करोड़ काटे गए नामों पर चुनाव आयोग को बाध्य किया जाना चाहिए। दिल्ली में यह मामला सामने आया है। 'बेला एस्टेट' में अधिकतर झुग्गी-झोंपड़ियां थीं। लोगों ने अवैध अतिक्रमण किए हुए थे और वे वहां बसे हुए थे। 2022-23 में उन झुग्गियों को तोड़ दिया गया। वहां 728 वैध मतदाता रहते थे, जिनके पास चुनाव आयोग की मान्यता थी और वे लगातार मतदान करते रहे थे। झुग्गियां टूटीं, तो वे बेघर हो गए। एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ को उस जगह कोई नहीं मिला। किसी एक ने 'मतदाता पहचान पत्र' दिखाया। नतीजतन 728 में से 727 मतदाताओं के नाम काट दिए गए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उन बेघरों के पास गए और मोबाइल पर ईआरओ से पूछा कि इतने नाम किस आधार पर काट दिए गए? बहरहाल जब यह खबर टीवी चैनलों और अखबारों की सुर्खियों में आ गई कि 'बेला एस्टेट' के बेघर परिवार फ्लाईओवर के नीचे जीने को विवश हैं, तो चुनाव आयोग ने अपने बीएलओ भी वहां भेजे। कटे हुए नामों के उन लोगों को 'फॉर्म 6' भर कर 'नया मतदाता' बनने की सलाह दी गई। खबर बताई जाती है कि 418 लोगों से 'फॉर्म 6' भरवा भी लिए गए हैं। अब नई मतदाता-सूची में उनके नाम भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने यह 'संवैधानिक फॉड' खेला है। फॉर्म 6 उन लोगों के लिए है, जो बिल्कुल पहली बार मतदाता बनना चाहते हैं। वे पहले कभी भी मतदाता न रहे हों। ऐसा घोषणा-पत्र भी भर कर हस्ताक्षर करने पड़ते हैं।*

**(एक नजर)**

## 3 अक्टूबर से उल्टी चाल चलेंगे शुक्र!

वैदिक ज्योतिष में दैत्य गुरु शुक्र ग्रह को धन, वैभव, प्रेम, सौंदर्य, साझेदारी और भौतिक सुख-सुविधाओं का कारक माना गया है द्रिक पंचांग के अनुसार, 3 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12 बजकर 45 मिनट शुक्र देव अपनी स्वराशि तुला में उल्टी चाल यानी वक्री होना शुरू हो जाएंगे शुक्र लगभग 42 दिनों तक (14 नवंबर 2026 तक) इसी अवस्था में रहेंगे ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब कोई शुभ ग्रह वक्री होता है, तो उसका प्रभाव काफी तीव्र हो जाता है शुक्र के वक्री होने से व्यक्ति के प्रेम संबंधों, बजट, सुख-सुविधाओं और व्यापारिक समझौतों पर सीधा असर पड़ता है वैसे तो इस बदलाव का असर सभी राशियों पर पड़ेगा, लेकिन 4 राशियां ऐसी हैं जिन्हें इस 42 दिनों की अवधि में बेहद सावधान रहने की आवश्यकता है आइए जानते हैं कि 3 अक्टूबर से शुरू हो रही शुक्र की वक्री चाल से किन राशियों को संभलकर रहने की जरूरत हैशुक्र की वक्री चाल के दौरान आपके भाई-बहनों या सहकर्मियों के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव आ सकता है बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की फिजूलखर्ची या लग्जरी वस्तुओं की खरीदारी से बचें कार्यक्षेत्र में अपनी भाषा पर संयम रखें, क्योंकि आपकी बातें दूसरों को चुभ सकती हैं

**विचार**

# अधिकार, संसाधन और आत्मनिर्भर प्रदेश

**डा. कर्म सिंह ठाकुर**

**लेकरव**

राज्य की नदियां देश की ऊर्जा जरूरतों में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं, इसके जंगल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं और यहां के जल संसाधन उत्तर भारत की करोड़ों आबादी की आवश्यकताओं से जुड़े हैं। इसके बावजूद इन संसाधनों से पैदा होने वाले आर्थिक मूल्य का पूरा लाभ हिमाचल की अर्थव्यवस्था को नहीं मिल पाया है। इसलिए अब राज्य की आर्थिक नीति को केवल खर्च कम करने और राजस्व बढ़ाने तक सीमित न रखकर अपने अधिकारों और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग की व्यापक रणनीति के रूप में देखना आवश्यक है।

ऐसी राशि को केवल तत्काल खर्च करने के बजाय ऋण भार कम करने, नई उत्पादक परिसंपत्तियां बनाने, आपदा प्रबंधन मजबूत करने और रोजगार पैदा करने वाली परियोजनाओं में निवेश किया जाना चाहिए। अपने अधिकारों की यह लड़ाई टकराव के बजाय संविधान, कानून और वैधानिक प्रावधानों के आधार पर आगे बढ़ाई जानी चाहिएहिमाचल प्रदेश को आर्थिक रूप से सुदृढ़ और आत्मनिर्भर बनाने की चुनौती आज पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। हिमाचल की आर्थिक स्थिति को केवल कर्ज, सरकारी खर्च या बजट घाटे के नजरिये से देखना राज्य की वास्तविक क्षमता को पूरी तरह समझना नहीं होगा। सीमित भौगोलिक क्षेत्रफल के बावजूद हिमाचल के पास जल, जंगल, जमीन, जलविद्युत, पर्यटन, जैव विविधता और पारिस्थितिक सेवाओं के रूप में अत्यंत मूल्यवान प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं। राज्य की नदियां देश की ऊर्जा जरूरतों में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं, इसके जंगल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं और यहां के जल संसाधन उत्तर भारत की करोड़ों आबादी की आवश्यकताओं से जुड़े हैं। इसके बावजूद इन संसाधनों से पैदा होने वाले आर्थिक मूल्य का पूरा लाभ हिमाचल की अर्थव्यवस्था को नहीं मिल पाया है। इसलिए अब राज्य की आर्थिक नीति को केवल खर्च कम करने और राजस्व बढ़ाने तक सीमित न रखकर अपने अधिकारों और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग की व्यापक रणनीति के रूप में देखना आवश्यक है।पिछले कुछ वर्षों में हिमाचल की वास्तविक आर्थिक चुनौतियां अधिक स्पष्ट हुई हैं। सरकार के सामने वेतन, पेंशन, सामाजिक दायित्व, विकास कार्य, आपदा प्रबंधन और बढ़ती प्रशासनिक लागत जैसी अनेक जिम्मेदारियां हैं। पहाड़ी राज्य होने के कारण सडक़, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और अन्य आधारभूत सुविधाओं के निर्माण और



रखरखाव की लागत भी अधिक होती है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण बुनियादी ढांचे को बार-बार नुकसान पहुंचता है और पुनर्बहाली पर अतिरिक्त संसाधन खर्च करने पड़ते हैं। ऐसे में राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए कठिन फैसले लेना आवश्यक है। अनावश्यक खर्च को नियंत्रित करना, योजनाओं की प्राथमिकता तय करना, राजस्व के नए स्रोत तलाशना और सार्वजनिक धन के प्रभावी उपयोग की व्यवस्था बनाना आर्थिक सुधार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि ऐसे फैसले पारदर्शी, जनहित आधारित और स्पष्ट आर्थिक तर्कों पर होने चाहिए। आर्थिक अनुशासन और सामाजिक संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाए रखना हिमाचल के लिए अत्यंत आवश्यक है। आर्थिक सुधार का दूसरा और उतना ही महत्वपूर्ण पक्ष हिमाचल के अपने अधिकारों और प्राकृतिक संसाधनों से मिलने वाले आर्थिक लाभ को सुनिश्चित करना है। जलविद्युत इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हिमाचल की नदियों से देश को बड़ी मात्रा में बिजली प्राप्त होती है। जलविद्युत परियोजनाओं के कारण राज्य को रॉयल्टी, मुफ्त बिजली और अन्य आर्थिक लाभ मिलते हैं, लेकिन इन लाभों को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। कड़छम-वांगतू परियोजना के मामले में रॉयल्टी को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत किया जाना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे हिमाचल को लगभग 150 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वार्षिक आय होने की संभावना सामने आई है। यह केवल एक परियोजना से मिलने वाली अतिरिक्त राशि नहीं है, बल्कि यह संकेत है कि राज्य को अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से मिलने वाले वैधानिक लाभों को सुनिश्चित करने के लिए कानूनी और प्रशासनिक स्तर पर लगातार सक्रिय रहना होगा।

**विचार**

# भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था

**उमेश चतुर्वेदी**

**लेखक**

खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरुआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटर्जेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बनने वाले एनालॉग पनीर का रैकेट ध्वस्त हो गया है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं।महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है।

महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। इससे शायद ही किसी को इनकार हो कि शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है।बिडंबना ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारी कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है। लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की कार्रवाई है। मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरुआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटर्जेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बनने वाले %एनालॉग पनीर% का रैकेट ध्वस्त हो गया है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं।महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। इससे शायद ही किसी को इनकार हो कि शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों




को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें। त्योहारी सीजन में ये संस्थाएं कार्रवाइयां करती भी हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक ना लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति, दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है।विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुवकों से दो बातें' में कहा है कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी घड़े में बने इन सुराखों को सदाचार से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से सदाचार और कर्तव्यपरायणता गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। कई बार तंत्र को जानकारी होती है कि फलां कारोबारी आटे में पत्थर का सफेद बुरादा मिला रहा है, चावलों में प्लास्टिक के दाने फेंट रहा है, दवाओं के सैंपल में गड़बड़ी कर रहा है, नकली मावे की मिठाई बेच रहा है, जाली शराब बिक रही है। वक्त पर इन गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद मुनाफाखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह चुप रह जाता है। भले ही नकली दूध पीने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निर्दोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी मुनाफाखोर कारोबारी और उत्पादक के साथ तंत्र में भी पैठी हुई है।

सत्ता संभालते वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे ग्रस्त लोगों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखता है, इसलिए मुनाफाखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टालरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तभी मुनाफाखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पेंच कसे जा सकते हैं।पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला फूड सेफ्टी लॉ दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलामाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। भारी आर्थिक जुर्माने का भी प्रावधान है।

**विचार**

# एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

**- ललित गर्ग**

**लेखक**

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है।



उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है।

**इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?**

# टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता







## जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

## भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

## लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

## टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

## टिकाऊ खेती का लाभः

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.

# धनिया की उन्नत खेती

**धनिया हमारे दैनिक उपयोग के मसालों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है जो पूरे वर्ष सम्पूर्ण देश में उगाया जाता है इसलिए पूरे वर्ष आय का साधन हो सकता है, हरी पत्तियां सब्जियों में उपयोग की जाती हैं। धनिया में मधुर सुगंध कोरोमिन्डाल, लिनाकोल, एल्कोहल पदार्थ उपस्थिति के कारण होता है। सूखे धनिया के बीजों को रबी में बोया जाता है। मध्यप्रदेश का 70 प्रतिशत धनिया गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, दतिया जिले में उगाया जाता है इसके अलावा शाजापुर, मंदसौर, राजगढ़ जिलों में भी बोया जाता है। अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिये उन्नत तकनीक अपनाना आवश्यक है।**





## भूमि

असिंचित धनिया के लिये काली मिट्टी जिसकी जलधारण क्षमता एवं जल निकास वाली अच्छी भूमि हो और सिंचित धनिया बोने के लिए दोमट एवं बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है जिसमें जीवांश की मात्रा पर्याप्त हो।

## खेत की तैयारी

असिंचित क्षेत्र में अंतिम वर्षा जल की नमी को संरक्षित करते हुए 2-3 जुताई कर यथाशीघ्र बुवाई करें तथा सिंचित खेत में खरीफ फसल की कटाई के बाद 2-3 जुताई करें।

## बुवाई का समय

रबी में बुवाई के लिये 15 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक उपयुक्त समय है। देरी बुवाई करने पर भभूतिया रोग की संभावना बढ़ जाती है।

## उन्नत जातियां

साधना,पंत हरितिमा, गुजरात धनिया, सिंधु,स्वाति, उदयपुर धनियां-20

## खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

खेत की तैयारी के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद खेत में मिला दें। सिंचित अवस्था में प्रति हेक्टर 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश पर्याप्त होता है। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ऊर कर दें तथा शेष नत्रजन की मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के समय दें उस समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।

## बीज की मात्रा एवं बुवाई विधि

सिंचित अवस्था में बीज दर 12-15 किलो ग्राम तथा असिंचित अवस्था में 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज की आवश्यकता होती है। जिसे बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगो कर रखें जिससे अंकुरण शीघ्र और अच्छा होता है। इसके बाद थाइरम या डाइथेम -एम 45 की 3 ग्राम दवा से प्रति किलो बीज उपचारित कर बोयें। बुवाई कतारों में की जाती है जिसमें कतार से कतार की दूरी 25-30 सेमी, पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी रखें और बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बुवाई करें।

## निंदाई एवं गुड़ाई

धनिये की फसल में प्रथम निराई गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन पर करना चाहिये जिसमें जहां अधिक पौधे उगे हों वहां से पौधे उखाड़ दें।

## सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिये फसल की क्रान्तिक अवस्थायें - जैसे शाखायें फूटते समय, फूल आते समय, बीज बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होना चाहिए। सिंचाई 10-15 दिन के अंतराल पर करें जो मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करता है।

## फसल उत्पादन

धनिया की फसल बीज के लिये 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। बीज के रूप में 15 से 20 क्विं. प्रति हेक्टर उत्पादन प्राप्त होता है। पत्तियों के रूप में बोने के 45 दिन पश्चात से पत्तियों की कटाई कर विक्रय किया जा सकता है।

## धनिया कटाई के बाद प्रबंधन

- फसल अवधि पूर्ण होने के पश्चात जब दाने परिपक्व हो जाये एवं दाने हरे रहें तब उसे काटकर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। दाने हरे रंग के रहने से बाजार में अधिक कीमत मिलती



# वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएं

## विजयादशमी सत्य, धर्म और न्याय की विजय का प्रतीक, प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का किया आह्वान

संवाददाता ➤ रायपुर

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएंरायपुर ⁼ वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएंरायपुर ⁼ वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ में किया रावण दहन, प्रदेशवासियों को दी विजयादशमी की शुभकामनाएं

विजयादशमी के पावन अवसर पर प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ के नटवर स्कूल में स्टेशन चौक युवा समिति द्वारा आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में शामिल होकर अधर्म और बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया। इस अवसर पर उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि विजयादशमी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो हमें सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आज पूरा भारतवर्ष इस पर्व को घर-घर, गली-गली और मोहल्ले-मोहल्ले में उत्साह और उल्लास के साथ मना रहा है। यह पर्व केवल बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव नहीं, बल्कि



हमारे जीवन में नैतिक मूल्यों, मर्यादा और सदाचार को अपनाने का संदेश भी देता है।श्री चौधरी ने कहा कि विजयादशमी हमें यह विश्वास दिलाती है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन और चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, अंततः विजय सत्य, धर्म और न्याय की ही होती है। भगवान श्रीराम का जीवन त्याग, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और आदर्श आचरण का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श आज भी समाज को सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि विजयादशमी के इस पावन अवसर पर हम सभी प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लें। समाज में अच्छाई, एकता, भाईचारे और सद्भाव की भावना को मजबूत करें तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि और विकास में अपना योगदान दें।रायगढ़ के नटवर स्कूल में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विजयादशमी पर्व को लेकर श्रद्धा, उत्साह और उल्लास का वातावरण रहा।



## मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिखाई हरी झंडी,

# आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक पहुंची रेल, बस्तर के विकास को मिली नई रफ्तार

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में विकास और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में आज एक ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत ताड़ोकी से रावघाट के बीच नवनिर्मित 17.5 किलोमीटर रेलखंड का उद्घाटन किया गया। इसके साथ रावघाट से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर तक रेलवे की सुविधा उपलब्ध हो गई हैं। आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुंचने से क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है। यह उपलब्धि केवल रेल लाइन के विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि बस्तर के दूरस्थ गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रायपुर से तथा केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रेल सेवा का शुभारंभ किया। वहीं सांसद श्री भोजराज



नाग एवं विधायक श्री विक्रम देव उसेंडी ने भी रावघाट रेलवे स्टेशन से रावघाट - रायपुर मेमो पैसेंजर को हरी झंडी दिखाकर रायपुर के लिए रवाना किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर क्षेत्र के ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सांसद एवं विधायक ने ग्रामीणों के साथ रावघाट से अंतागढ़ तक रेल यात्रा भी की। यात्रियों को इस अवसर पर निःशुल्क डेमो टिकट कार्ड प्रदान किए गए।

### ग्रामीण बच्चों के सपनों को मिलेगी नई उड़ान

रावघाट तक रेल पहुंचने से अब दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों के लिए शहरों में जाकर पढ़ाई करना पहले की तुलना में आसान होगा। बेहतर आवागमन सुविधा मिलने से बच्चों को उच्च शिक्षा के अवसरों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही ग्रामीणों को इलाज के लिए बड़े अस्पतालों तक पहुंचने, जरूरी सामान खरीदने, रोजगार के अवसर तलाशने और व्यापारिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने में भी सुविधा होगी।

अब तक दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित परिवहन सुविधाओं के कारण क्षेत्र के लोगों को आवागमन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। रेल सेवा शुरू होने से समय और यात्रा खर्च में राहत मिलेगी। यह सुविधा विशेष रूप से विद्यार्थियों, मरीजों, श्रमिकों, किसानों और छोटे व्यापारियों के लिए लाभकारी साबित होगी।

### 1,628 करोड़ की परियोजना से बढ़ेगा रेल नेटवर्क

दल्लीराजहरा-रावघाट के बीच लगभग ?1,628 करोड़ की लागत से 95 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन परियोजना अंतर्गत ताड़ोकी से रावघाट के बीच 17.5 किलोमीटर रेलखंड का निर्माण पूरा हुआ है। इस रेल संपर्क से बस्तर के सुदूर क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं का विस्तार होगा और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावनाएं मजबूत होंगी।

रावघाट से रायपुर के लिए मेमो पैसेंजर ट्रेन संख्या 68769 का परिचालन प्रातः 6⁼30 बजे रावघाट से प्रस्तावित समय-सारणी के अनुसार होगा। इस ट्रेन का सामान्य किराया रायपुर तक ?55 बताया गया है। इससे क्षेत्र के यात्रियों को राजधानी रायपुर सहित मार्ग में आने वाले प्रमुख स्थानों तक पहुंचने का सुलभ विकल्प मिलेगा।

### विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा बस्तर

बस्तर अंचल में रेल सेवा का विस्तार क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सांसद श्री भोजराज नाग ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि बस्तरवासी आजादी के बाद से रेल सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे थे। दुर्गम क्षेत्र में रेल लाइन का विस्तार करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निरंतर प्रयासों से यह सपना साकार होने की दिशा में आगे बढ़ा है।

## खैरागढ़ में आकार ले रहा नया सर्किट हाउस, .04 करोड़ रुपए से बढ़ेंगी आतिथ्य सुविधाएं



### नींव का कार्य पूर्ण, प्लिंथ निर्माण प्रगति पर

### मार्च 2027 तक निर्माण पूर्ण होने की संभावना

संवाददाता ➤ खैरागढ

जिला मुख्यालय खैरागढ़ में नवीन सर्किट हाउस का निर्माण प्रशासनिक अधोसंरचना और शासकीय आतिथ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके निर्माण के लिए ⁼ करोड़ 4 लाख 27 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। भवन की नींव का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा वर्तमान में प्लिंथ निर्माण का कार्य प्रगति पर है। विभागीय प्रगति विवरण के अनुसार निर्माण मार्च 2027 तक पूर्ण होना संभावित है।जिला मुख्यालय में निरीक्षण, समीक्षा बैठकों और विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों के सिलसिले में अधिकारियों एवं अतिथियों का आगमन होता है। ऐसे में ठहरने की सुव्यवस्थित सुविधा प्रशासनिक व्यवस्थाओं का आवश्यक हिस्सा होती है। नवीन सर्किट हाउस तैयार होने से खैरागढ़ में शासकीय प्रवास पर आने वाले अतिथियों और अधिकारियों के लिए उपलब्ध आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा। इससे प्रवास संबंधी व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने में सहायता मिलेगी।सर्किट हाउस निर्माण के लिए 8 सितंबर 2025 को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। निर्माण एजेंसी जैन कंस्ट्रक्शन, बालोद को 24 जून 2026 को कार्यादेश जारी किया गया। अनुबंध के अनुसार निर्माण पूर्ण करने के लिए नौ माह की अवधि निर्धारित है। कार्य पूर्ण करने की निर्धारित तिथि 24 मार्च 2027 है।भवन की नींव का कार्य पूरा होने के बाद प्लिंथ निर्माण की प्रगति परियोजना को अगले चरण की ओर ले जा रही है। नींव और प्लिंथ भवन की संरचना के महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इन चरणों के बाद आगे का निर्माण बढ़ने के साथ नवीन सर्किट हाउस का स्वरूप स्पष्ट होगा।खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला मुख्यालय में प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाओं का विकास स्थानीय व्यवस्थाओं को मजबूत करने में सहायक है। सर्किट हाउस का निर्माण इसी आवश्यकता से जुड़ी परियोजना है।

## नींव का कार्य पूर्ण, प्लिंथ निर्माण प्रगति पर

# खैरागढ़ में आकार ले रहा नया सर्किट हाउस, 3.04 करोड़ रुपए से बढ़ेंगी आतिथ्य सुविधाएं

संवाददाता ➤ खैरागढ़

जिला मुख्यालय खैरागढ़ में नवीन सर्किट हाउस का निर्माण प्रशासनिक अधोसंरचना और शासकीय आतिथ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके निर्माण के लिए 3 करोड़ 4 लाख 27 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। भवन की नींव का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा वर्तमान में प्लिंथ निर्माण का कार्य प्रगति पर है। विभागीय प्रगति विवरण के अनुसार निर्माण मार्च 2027 तक पूर्ण होना संभावित है।

जला मुख्यालय में निरीक्षण, समीक्षा बैठकों और विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों के



सिलसिले में अधिकारियों एवं अतिथियों का आगमन होता है। ऐसे में ठहरने की सुव्यवस्थित सुविधा प्रशासनिक व्यवस्थाओं का आवश्यक हिस्सा होती है। नवीन सर्किट हाउस तैयार होने से खैरागढ़ में शासकीय प्रवास पर आने वाले अतिथियों और अधिकारियों के लिए उपलब्ध आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा। इससे प्रवास संबंधी व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने में सहायता मिलेगी।सर्किट हाउस निर्माण के लिए 8 सितंबर 2025 को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। निर्माण एजेंसी जैन कंस्ट्रक्शन, बालोद को 24 जून 2026 को कार्यादेश जारी किया गया। अनुबंध के अनुसार निर्माण पूर्ण करने के लिए नौ माह की अवधि निर्धारित है। कार्य पूर्ण करने की निर्धारित तिथि 24 मार्च 2027 है।भवन की नींव का कार्य पूरा होने के बाद प्लिंथ निर्माण की प्रगति परियोजना को अगले चरण की ओर ले जा रही है। नींव और प्लिंथ भवन की संरचना के महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इन चरणों के बाद आगे का निर्माण बढ़ने के साथ नवीन सर्किट हाउस का स्वरूप स्पष्ट होगा।खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला मुख्यालय में प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाओं का विकास स्थानीय व्यवस्थाओं को मजबूत करनेनर्माण इसी आवश्यकता से जुड़ी परियोजना है।

### भानुप्रतापपुर के कन्या छात्रावास में नाबालिग छात्रा से संबंधित मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

**भानुप्रतापपुर** विकासखंड अंतर्गत संचालित प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास में अध्ययनरत एक नाबालिग छात्रा से संबंधित गंभीर एवं संवेदनशील मामला संज्ञान में आया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार द्वारा मामले की तथ्यात्मक एवं प्रशासनिक जांच के लिए चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है।गठित समिति में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भानुप्रतापपुर श्री अनिकेत अशोक फड़तरे, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कांकेर सुश्री जया मनु,खंड चिकित्सा अधिकारी, विकासखंड अंतागढ़ तथा खंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड भानुप्रतापपुर को शामिल किया गया है।समिति को घटना से संबंधित समस्त तथ्यों एवं परिस्थितियों का विस्तृत परीक्षण कर वस्तुस्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। समिति तीन दिवस के भीतर तथ्यात्मक की अनुशंसा सहित प्रस्तुत करेगी।

## धमतरी में इस बार एकलव्य खेल परिसर में होगा रावण दहन

### नागरिकों की सुविधा, सुगम यातायात और बेहतर आयोजन व्यवस्था को ध्यान में रखकर लिया गया निर्णय

संवाददाता ➤ धमतरी

धमतरी शहर में इस वर्ष आज शाम दशहरा पर्व पर रावण दहन का आयोजन डॉ. शोभाराम देवांगन शासकीय विद्यालय के एकलव्य खेल परिसर में किया गया है। महापौर श्री रामू रोहरा एवं संबंधित समितियों के निर्णय के अनुसार आयोजन स्थल में यह बदलाव किया गया है। इसका उद्देश्य नागरिकों को अधिक सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराने के साथ आयोजन को व्यवस्थित और सुगम बनाना है।

एकलव्य खेल परिसर में रावण दहन होने से शहरवासियों को उत्सव में शामिल होने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। खुले परिसर में आयोजन से दर्शकों की सुविधा, भीड़ प्रबंधन और कार्यक्रम के सुचारु संचालन में मदद मिलने की उम्मीद है।

यातायात व्यवस्था की दृष्टि से भी आयोजन स्थल का चयन महत्वपूर्ण है। दशहरा उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात का सुचारु संचालन, वाहनों की पार्किंग तथा पैदल आने-जाने वाले लोगों की सुविधा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक होगा। व्यवस्थित यातायात प्रबंधन से अनावश्यक जाम की स्थिति को कम करने और नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। नागरिकों से भी अपेक्षा है कि वे यातायात नियमों का पालन करें तथा संबंधित प्रशासन और यातायात कर्मियों के निर्देशों का सहयोगपूर्वक पालन करें।दशहरा पर्व भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। रावण दहन बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है। ऐसे में आयोजन को गरिमामय, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाना सामूहिक जिम्मेदारी है।महापौर एवं संबंधित समितियों की पहल से इस वर्ष दशहरा आयोजन को नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में कदम उठाया गया है, ताकि धमतरीवासी उत्साह और उल्लास के साथ पर्व में सहभागी बन सकें।

## भुगतान के लिए 85 लाख 20 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है

# छत्तीसगढ़ के 1535 अतिथि शिक्षकों को बड़ी राहत, मिलेगा 6 महीने का मानदेय

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के मानदेय भुगतान को लेकर महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। राज्य सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 18 करोड़ 42 लाख रुपये का बजट आवंटित किया है। इस राशि से प्रदेश के 25 जिलों में कार्यरत कुल 1,535 अतिथि शिक्षकों को छह महीने का मानदेय दिया जाना है। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में 18 सितंबर 2026 को आदेश जारी किया था। आदेश के मुताबिक, प्रत्येक अतिथि शिक्षक का मासिक मानदेय 20 हजार रुपये निर्धारित है। इस तरह छह महीने के लिए प्रत्येक शिक्षक को कुल 1 लाख 20 हजार रुपये का भुगतान किया



जाना है। विभाग ने जिलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों की संख्या के आधार पर राशि आवंटित की है।

एक शिक्षक को मिलेंगे 1 लाख 20 हजार रुपये

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रावधान के अनुसार, अतिथि शिक्षकों का मासिक मानदेय 20 हजार रुपये है। छह महीने की अवधि के लिए यह राशि 1 लाख 20 हजार रुपये होती है। प्रदेश में कुल 1,535 अतिथि शिक्षकों के लिए इसी दर से बजट निर्धारित किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्वीकृत राशि का उपयोग संबंधित शिक्षकों के मानदेय भुगतान के लिए किया जाएगा। हालांकि, बजट आवंटन और शिक्षकों के बैंक खातों में वास्तविक भुगतान अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। आदेश जारी होने से भुगतान के लिए धन उपलब्ध कराया गया है, लेकिन सभी शिक्षकों के खातों में राशि पहुंचने की पुष्टि नहीं हुई है।

बलरामपुर जिले को सबसे ज्यादा 2.64 करोड़ रुपये

जिलावार आवंटन में बलरामपुर सबसे आगे है। जिले में 220 अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं, जिनके छह महीने के मानदेय के लिए 2 करोड़ 64 लाख रुपये जारी किए गए हैं। इसके बाद कोंडागांव जिले में 141 शिक्षकों के लिए 1 करोड़ 69 लाख 20 हजार रुपये और बस्तर जिले में 133 शिक्षकों के लिए 1 करोड़ 59 लाख 60 हजार रुपये आवंटित किए गए हैं। सूरजपुर में 130 शिक्षकों के लिए 1 करोड़ 56 लाख रुपये तथा कांकेर जिले में 126 अतिथि शिक्षकों के लिए 1 करोड़ 51 लाख 20 हजार रुपये की राशि दी गई है। सरगुजा जिले के 71 अतिथि शिक्षकों के मानदेय भुगतान के लिए 85 लाख 20 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है।

बस्तर संभाग के सभी सात जिलों को लाभ

राज्य सरकार के आवंटन में बस्तर संभाग के सातों जिलों को शामिल किया गया है। इनमें बस्तर, कांकेर, नारायणपुर शामिल हैं।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल